केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (कक्षा बारहवीं)
परीक्षार्थी प्रवेश–पत्र के अनुसार भरें

विषय, Subject : इतिहास

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination : 4/3/2014 मंगलवार

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : हिन्दी

प्रश्न पत्र के ऊपर लिखे कोड को दर्शाए
Write Code No. as written on the
top of Question Paper : 61/1/3

अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका (ओ) की संख्या
No. of Supplementary answer-book(s) used

किसी शारीरिक अक्षमता के प्रभावित हो तो संबंधित वर्ग में ✓ का निशान लगाएं।
If Physically challenged, tick the category

B	D	H	S	C

B = दृष्टिहीन, D = मूक एवं बधिर, H = शारीरिक रुप से विकलांग, S = स्फस्टिक, C = डिस्लेक्सिक
B = Blind, D = Deaf & Dumb, H = Physically Handicapped, S = Spastic, C = Dyslexic

क्या लेखन – लिपिक उपलब्ध करवाया गया : हाँ / नहीं
Whether writer provided : Yes / No

*एक खाने में एक अक्षर लिखें। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक खाना रिक्त छोड दें। यदि परीक्षार्थी का नाम 24 अक्षरों से अधिक है, तो केवल नाम के प्रथम 24 अक्षर ही लिखें।

Each letter be written in one box and one box be left blank between each part of the name. In case Candidate's Name exceeds 24 letters, write first 24 letters.

कार्यालय उपयोग के लिए
Space for office use

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
Central Board of Secondary Education, Delhi

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (कक्षा बारहवीं)
SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION (CLASS XII)

प्रमाणित किया जाता है मैंने/हमने इस उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन प्रश्न पत्र के समुचित सेट के अनुसार और पूर्ण रूप से मूल्यांकन पद्धति के अनुसार किया है।
Certified that I/We have evaluated this answer-book according to the correct set of question paper and strictly as per the marking scheme.

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उ०=① अभिलेख साक्ष्यों की दो सीमाएँ निम्नलिखित है.

① अभिलेख साक्ष्यो से हमें आम जनता के जीवन सिर्फ अंदाजा ही लग पाता है।

② कुछ अभिलेख साक्ष्यों मे लिखि भाषा जटिल होती है।

③ तथा ~~कुछ~~ एक ही व्यक्ति के लिए कई शब्दो का प्रयोग मिलता है जिससे भ्रम उत्पन्न होता है

उ०=② प्रारंभिक वर्षों से ही औपनिवेशिक सरकार ने भारतीय शहरों का मानचित्र तैयार करने पर खास ध्यान दिया। जिसके निम्न कारण थे:

① मानचित्र से शहरों के फैलाव ~~क~~ का पता चलता है।

② योजनाएँ बनाने के लिए भी मानचित्रों की आवश्यकता होती है।

③ सुरक्षा के लिए भी मानचित्र महत्वपूर्ण स्त्रोत होती है।

उ०=③ⓚ ~~(i)~~ मीरा बाई के गुरू 'रैयदास' थे।

ⓑ मीरा बाई के भक्ति का एक सिद्धांत यह था कि ~~व्यक्ति~~ जाति के आधार पर व्यक्ति को नही पहचाना जाना बल्कि कर्म के आधार पर पहचाना जाना चाहिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उ०=⑦ ⓐ "1840 और 1850 के दशको मे सिपाहियो के अपने गोरे अफसरो से के साथ रिश्ते बहुत बदल चुके थे।" जो निम्न बातो से स्पष्ट होता है:-

1) 1810 के दशक तक भारतीय सिपाहियो और गोरे अफसरो के रिश्ते बहुत मधुर हो थे।

② यह दोनो एक साथ खाना खाते तथा खेलते थे। यह लोग एक दुसरे से मल्ल युद्ध भी किया करते थे।

③ गोरे अफसर भारतीय सिपाहियो से भारती भारत की संस्कृति तथा ब्रिटेन की संस्कृति के बारे मे बात बातचीत किया करते थे।

④ यहाँ तक की कई गोरे अफसरो को तो अच्छी प्रकार से हिन्दी भी बोलनी आ गई थी।

⑤ तथा युद्ध होने पर दोनो एक साथ लड़ा करते थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

⑥ परन्तु ~~१८~~ 1840 और 1850 के दशक के मध्य इनके संबंध मे परिवर्तन आने प्रारंभ हो गए।

⑦ अंग्रेज अफसरो मे श्रेष्ठता की भावना उत्पन्न हो गई।

⑧ गोरे अफसर भारतीय सिपाहियो से गाली-गलौज तथा अभद्र भाषा का प्रयोग कर बातचीत करते थे।

⑨ गोरे अफसर भारतीयो ~~पर~~ को मारते भी थे ~~तथा~~ ~~व~~ अर्थात वह बहुत बुरी तरह बर्ताव करते थे।

निष्कर्ष :- उपरोक्त बिंदुओ के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि 1840 और 1850 के दशको मे भारतीय सिपाहियो व गोरे अफसरो के मध्य के रिश्तो मे परिवर्तन आया

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उ० = ⑦ सोलहवी और सत्रहवी सदियो के मुगलकाल मे जंगलवासियो के जीवन जीने के स्वरूप निम्न है:-

① मुगल काल मे झारखंड सहित पूर्वी क्षेत्र मध्य भारत, उत्तरी क्षेत्र तथा दक्षिण भारत का पश्चिमी भाग एव मध्य दक्कन का पठार वनो से घिरे थे।

② मुगल काल मे कितने प्रति प्रतिशत क्षेत्र जंगलो से ढके थे इसका तो कोई प्रमाण नहीं मिला है परंतु यह अंदाजा लगाया गया है कि लगभग 40% क्षेत्र जंगलो से ढके थे।

③ कुछ जंगलवासी जैसे भील मौसम के अनुसार कार्य करते थे जैसे पतझड़ मे कंद-मूल इत्यादि इकट्ठे करना, ग्रीष्म ऋतु मे मछली पकड़ना, तथा मानसून मे कृषि करना तथा शीत ऋतु मे शिकार करके अपना जीवन यापन करते थे।

④ जंगलवासी जंगलो से प्राप्त जड़ी-बूटियों को बेचकर भी अपना जीवन निर्वाह करते थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

⑤ जंगलवासी जंगलों से देवता तुल्य मानते थे तथा उनका उपयोग करने से पूर्व कुछ अनुष्ठान करते थे।

⑥ जंगलवासी जंगलों में समूह के रूप में रहते थे तथा अपनी रक्षा के लिए कुछ हथियार भी बनाते थे (स्थानीय तौर पर उपलब्ध वस्तुओं से)।

⑦ जंगलवासियों की भी कुछ समस्याएँ थी उनका ~~निवा~~ निवारण करने के लिए बादशाह शिकार के बहाने जंगल में आता था तथा उनकी समस्यों को सुनकर उन्हें सुलझाने का प्रयास करता था।

निष्कर्ष:- सोलहवीं और सत्रहवीं सदियों के मुगलकाल में जंगलवासी अपना जीवन पुराने तरीकों से चलाते थे परंतु 16वीं और 17वीं सदी में उनके जीवन में परिवर्तन आने प्रारंभ हो गए। जिस कारण कई जंगलवासियों का समूह या तो विलुप्त हो गया या फिर शहरी जीवन में ढल गया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उ= (12) पंचायतो का अस्तित्व तो काफी पुराने दिनो से चला आ रहा है परंतु 16वीं-17वीं सदी में इन्हे अधिक शक्तियाँ प्राप्त होती थी। पंचायत पांच पंचो का एक समूह होता था।

(1) <u>पंचायत का गठन</u>:-

(i) पंचायत गाँव के वृद्धो का एक समूह होता है जिनका अपनी <u>सम्पत्ति पर पुश्तैनी अधिकार</u> होता था।

(ii) गाँव के वृद्ध पंचायत का मुखिया चुनते थे जिसे '<u>मंडल</u>' या '<u>मुकद्दम</u>' कहा जाता था।

(iii) जिसके पश्चात् इसकी अनुमति वहाँ के जमींदार से लेनी पड़ती थी। अगर वह अनुमति देता था तभी वह मुखिया बन सकता था।

(iv) गाँव का मुखिया तभी तक इस पद पर रहता था जब तक गाँव के वृद्धो को उसपर विश्वास है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(2) **ग्रामीण समाज का नियमन** :- पंचायतें ही ग्रामीण समाज का नियमन करती थी तथा गाँव के सारे काम भी वही करवाती थी। वह ~~कार्य~~ निम्न है :-

(i) **आय तथा व्यय का हिसाब** :- मुखिया आय तथा व्यय का हिसाब-किताब रखता था अर्थात् कितना खर्च हुआ कितनी आमदनी हुई इत्यादि। इन कामो मे मुखिया की सहायता पंचायत का पटवारी करता था।

(ii) **जुर्माना एवं निष्काशन** :- जब कोई व्यक्ति अपनी जाति की सीमा से बाहर जाकर कोई कार्य करता था तो पंचायत उसपर जुर्माना लगाती थी तथा यदि कोई ~~बड़ा~~ बड़ा अपराध हो तो गाँव से निष्कासन भी कर दिया जाता था। यह निष्कासन दो प्रकार का होता था :-

(क) कुछ समय के लिए

(ख) सदैव के लिए

(iii) **जाति की सीमा मे रहना** :- पंचायत तथा मुखिया यह सुनिश्चित करते थे कि कोई भी व्यक्ति अपनी जाति के रीति-रिवाजो की अवहेलना न करे। इसके लिए पूर्वी भारत मे सभी विवाह

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

पंचायत तथा मंडल की उपस्थिति में होते थे।

(iv) जाति पंचायतें एवं उनकी शक्तियाँ :- गाँव में अलग-अलग जाति की अलग-अलग पंचायतें होती थी। इन पंचायतों में नीच जाति तथा अस्पृश्य माने वाली जातियों के लिए कोई स्थान नहीं था। इन जाति पंचायतों के पास बहुत सी शक्तियाँ थी। जैसे राजस्थान में जाति पंचायतें जमीन-जायदाद के मामलों के अतिरिक्त मार-पीट तथा ~~खून~~ हत्या आदि ~~अपराध~~ के फैसले भी सुनाती थी अर्थात् इनके पास दिवानी तथा फौजदारी दोनों प्रकार के मामलों की सुनवाई होती थी। राज्य अधिकतर इन मामलों में इनके फैसलों में मानता था।

(iv) कई बार पंचायत के सामने नीची जाति के लोग जमींदारों या महाजनों के विरुद्ध जबरन तथा गलत तरीके से कर वसूलने की शिकायत करते थे। इन मामलों में अधिकतर पंचायत समझौते का सुझाव देती है। कई लोग बड़े कदम उठाते हुए गाँव छोड़ देते थे क्योंकि उस समय खेती योग्य भूमि की कमी नहीं थी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

③ आय के स्रोत स्वं व्यय :

(i) पंचायत का खर्चा गाँव के आम खजाने से चलता है।

(ii) पंचायत की आमदनी लोगो से राहकर आदि लेकर होती थी।

(iii) पंचायत लोगो का जुर्माना लगाकर भी ~~आद~~ आमदनी करती थी।

(iv) पंचायत इन धनो का प्रयोग गाँव मे आने वाले कर अधिकारी की खातिरदारी मे खर्चा करता था।

(v) इस आमदनी का प्रयोग सड़क बनाने, नालियाँ बनाने तथा छोटे-छोटे बाँध बनाने के लिए किया जाता था।

(vi) इस आदम आमदनी का प्रयोग नहरो को बनाने तथा बनी हुई नहर को चौड़ा करने तथा तालाब बनाने मे खर्चा किया जाता था।

निष्कर्ष :- उपरोक्त बिंदुओ का अवलोकन करने से हम यह कह सकते है कि 16वी-17वी सदियो मे मुगल ग्रामीण भारतीय समाज मे पंचायत महत्वपूर्ण भूमिका ~~निभा~~ निभाती थी। यह पंचायत गाँव की शासन व्यवस्था चलाने मे महत्वपूर्ण होती थी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

~~उ॰-(14)~~ (14.)

उ॰-(16) (16.1)

① राजा को अपने बन्दरगाहों को सुधारना चाहिए।

② वाणिज्य को प्रोत्साहित करना ताकि घोड़ो, हाथियो, रत्नो, चंदन, मोती तथा अन्य वस्तुओं का खुले तौर पर आयात किया जा सके।

③ राजा को उनकी भली-भाँति देखभाल करनी जो नाविक तूफानो, बीमारी या थकान के कारण उनके देश मे उतरे हो।

3

(16.2)

① अपनी सेना को सशक्त बनाना। जिसके शत्रुओं से रक्षा हो सके।

② विदेशी व्यापारी जो बहुमूल्य वस्तुऐ लाते है ~~उन्हे मुनाफे~~ उनके मुनाफे को बढ़ाकर।

③ उनको तोहफे इत्यादि देकर।

3

(16.3)

① कृषि व्यवस्था को सुधारना।

② आयात-निर्यात अर्थात व्यापार को बढ़ावा देकर

③ किले के निर्माण के द्वारा।

2

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उ०-15 (15.1) हरिषेण। यह
यह प्रशस्ति समुद्रगुप्त के गौरव को बतलाती है। उनके दान के बारे में भी बतलाती है तथा वह कवि की नजर में कैसा था या भी बताती है 3

(15.2) ① शक्तिशाली शासक।
② दान करने वाला शासक।
③ तथा उदारता की प्रतिमूर्ति 2

(15.3) राजा द्वारा प्रदर्शित मूल्य आज के समकालीन समाज में एक हद तक उपयुक्त है क्योंकि आज भी कई ऐसे लोग है। दान करते है तथा ह्रदय से कोमल है 3

उ०=14 (14.1) रैयतो समूह में ऋणदाताओं के घर पहुंचे। उनसे ऋणपत्र और अन्य दस्तावेज मांग तथा न फिर जाने पर ऋणदाताओ पर हमला करके छीन लेते। उन्हें इकट्ठा करके एक आग लगा दि जाती थी। उन्होंने यदि सब लगभग सभी ऋणदाताओं के साथ किया कुछ इच्छा से देते थे तथा कुछ से जबरन छीन लिया जाता था। 3

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(14.2) ऋणदाताओ पर हमला करके ऋण पत्र छिनते समय अगर कोई सरकारी अधिकारी ~~अ~~ उन गांवों की ओर आता हुआ दिखाई दे ~~जाता~~ जाता था तो गुप्तचर अपराधियो को इसकी खबर पहुँचा देते थे और अपराधी समय रहते ही तितर-बितर हो जाते है थे जिससे वह अपने आप को बचा लेते थे व अंग्रेजो के हाथ नही आते थे।

(14.3) रैयतो ने ऋणदाताओ को लूटने का सहारा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता था कि उनकी समस्याओ की जड़ ~~वह~~ ऋणपत्र है इसलिए वह ऋणपत्र ~~र~~ प्राप्त करके जलाने के लिए ~~व~~ रैयतो ने ऋणदाताओ को लूटा।

उ०= ④(1) पुरातत्वविदों द्वारा हड़प्पा की धार्मिक प्रथाओ के स्पष्टीकरण मे बहुत सी समस्याएं आती थी।

(2) पुरातत्वविद हड़प्पा सभ्यता से प्राप्त मुहरों तथा मूर्तियो के माध्यम से धार्मिक प्रथाओ का स्पष्टीकरण ढूंढ रहे है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

③ जैसा कि हमे ज्ञात है हड़प्पा लिपि को अभी तक पढ़ा नही जा सका है। अगर हड़प्पा लिपि को पढ़ लिया जाए तो उससे हड़प्पा की धार्मिक प्रथाओ के बारे मे बहुत कुछ ज्ञात हो सकता है।

④ हड़प्पा सभ्यता मे एक मोहर प्राप्त हुई है जिसके ऊपर एक व्यक्ति बना हुआ है तथा उसके चारो ओर जानवर थे। इस व्यक्ति को 'हिंदू के देवता 'पशुपति' माना जा रहा है परंतु ऋगवेद मे 'पशुपति' नामक किसी देवता उल्लेख नहीं है।

⑤ हड़प्पा सभ्यता मे कई ऐसे स्थान प्राप्त हुए उनके बारे मे यह अनुमान लगाया जाता है कि यह उस समय के देवताओ के मंदिर थे।

⑥ हड़प्पा सभ्यता मे एक स्त्री की कास्य की मूर्ति मिली है जिसे मातृदेवी कहा जाता है। इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि उस समय स्त्रियो को सम्मान दिया जाता था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

⑦ ऐसा भी अनुमान लगाया जाता है कि उस समय के शासक पुरोहित राजा होते थे।

निष्कर्ष :- उपरोक्त बिंदुओं के आधार पर हम कह सकते हैं कि हड़प्पा सभ्यता की धार्मिक प्रथाओं के बारे में कुछ स्पष्टीकरण में अभी कुछ समस्याएं हैं। इन समस्याओं को दूर करने के लिए अभी और खोज की आवश्यकता है ताकि हड़प्पा की धार्मिक ~~प्रथा~~ प्रथाओं के बारे में और अच्छी तरह जान सके।

उ०=⑤ समाज में उन लोगों को अस्पृश्य की श्रेणी में रखा जाता था जो बहुत तुच्छ समझे जाने वाले कार्य करते थे जैसे चांडाल जो अंत-येष्टि जैसे कार्य करवाते थे।
मनुस्मृति और शास्त्रों में उनके लिए निर्धारित कर्तव्य निम्नलिखित हैं:

① यह लोग ~~किसी को~~ किसी को स्पृश्य नहीं कर सकते थे।

② कुओं से जल नहीं पी सकते थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

③ इन्हें गाँव से दूर रहना पड़ता था। यह लोग अलग घर बनाकर गाँव से कुछ दूरी पर रहना होता था।

④ इन लोगों को सड़क पर जाते वक्त घंटी बजाकर अपने आने का संकेत देते थे ताकि अन्य लोग उनको देखने के पाप से बच जाय।

⑤ इन लोगों को फेंके हुए बरतनों का प्रयोग करना पड़ता था तथा वह लोग लोहे के बनने गहने ही पहनते थे।

निष्कर्ष:- उपरोक्त बिंदुओं के आधार पर हम यह कह सकते हैं कि प्राचीन समय में अस्पृश्य की स्थिति सबसे निम्न कोटि की थी तथा इनकी स्थिति सबसे निम्न थी। खराब थी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उ=13 महात्मा गांधी का जन्म गुजरात के पोरबंदर जिले के काठियावाड़ नामक गाँव मे हुआ था। उनकी माता का नाम पुतलीबाई तथा पिता का नाम मोहनदास था। यह एक मध्य वर्गीय परिवार से संबंधित थे। इन्होने इंग्लैंड से वकील की डिग्री ली तथा दक्षिण अफ्रीका मे वकालत की 1915 मे यह पुनः भारत वापस आए।

"राष्ट्रवाद के इतिहास मे प्रायः गांधीजी को राष्ट्र निर्माण के साथ जोड़कर देखा जाता है।" क्योंकि भारत मे राष्ट्रवाद ने गांधी जी के आगमन के पश्चात ही जोर पकड़ा।

स्वतंत्रता संग्राम मे गांधी जी की भूमिका निम्नलिखित है:-

① जब गांधी जी 1915 मे भारत आए तो उनके राजनीतिक गुरु गोपाल कृष्ण गोखले ने उनके पहले एक वर्ष तक भारत का दौरा करने को कहा।

② इन एक वर्षों मे गांधी जी देश के कोने-कोने

मे राज्य तथा देश की संस्कृति तथा लोगो को जाने व पहचाने का अवसर प्राप्त हुआ।

③ 1916 मे बनारस हिंदु विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह मे गांधी जी को आमंत्रित किया गया। इन समारोह मे गांधी जी ने गरीबो, किसानो तथा छोटे जाति के लोगो की अनुपस्थिति पर सवाल उठाए। उन्होने कहा यही लोग ही देश की स्वतंत्रता को बचा सकते है।

④ 1917 मे हुए चंपारन आंदोलन, 1918 मे हुए खेड़ा तथा अहमदाबाद आंदोलन के कारण महात्मा गांधी का देश मे प्रभाव बढ़ने लगा। लोग अपनी समस्याओ के लिए गांधी से सलाह लेने लगे।

⑤ 1919 मे ~~हुए~~ लागू रौलेट एक्ट तथा 13 अप्रैल को हुए ~~अमृतसर~~ जलियावाला बाग हत्या काण्ड की गांधी जी घोर नींदा की व्या तथा रौलेट एक्ट के लिए (न दलील, ~~न अपील~~ न अपील तथा न वकील का वाक्य कहा।)

⑥ महात्मा गांधी को अबतक हिन्दुओं का तो प्राप्त हो चुका था परंतु देश को आजाद कराने के लिए उन्हें मुस्लिमों की सहायता चाहिए थी। इसलिए उन्होंने खिलाफत आंदोलन की अहपक्षता की।

⑦ महात्मा गांधी 1 सितंबर 1920 से असहयोग आंदोलन शुरू किया। उन्होंने कहा था कि अगर असहयोग आंदोलन को सहित तरीके चलाया जाए तो भारत 1 साल में स्वतंत्र हो सकता है। इस आंदोलन में भाग लेने वाले लोग अपने आर्थिक आधार से वंचित हो सकते थे परंतु उन्हें तभी इस आंदोलन में बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

⑧ 5 फरवरी 1922 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के नजदीक स्थित चौरी-चौरा नामक गांव में भीड़ ने एक पुलिस थाने को आग लगा दिया जिसमें 22 पुलिस कर्मी मारे गए इसके पश्चात गांधी जी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(9) महात्मा गांधी ने पुनः 1930 में सविनय अविज्ञा आंदोलन प्रारंभ किया। इसमें कई हजार लोगों ने भाग लिया। यह आंदोलन भी अंहिसा पर आधारित था।

(10) सविनय अविज्ञा आंदोलन में लोगों ने अपनी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया तथा विद्यार्थियों ने विद्यालय जाना छोड़ दिया।

(11) गांधी इरविन समझौता या दिल्ली समझौते के तहत गांधी जी ने सविनय अविज्ञा आंदोलन वापस ले लिया।

(12) महात्मा गांधी ने 8-9 अगस्त 1942 में 'भारत छोडो' आंदोलन प्रारंभ किया। इस आंदोलन में गांधी जी ने करो या मरो का नारा दिया जिस कारण कई हिंसक घटनाएं घटी।

(13) लोगों ने ट्रेन के डिब्बे जला दिए, टेलीफोन के खंभे उखाड़ दिए तथा कई अंग्रेज अफसरों की हत्या कर दी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(14) किंतु पहले ही गांधी तथा महत्वपूर्ण नेताओ को गिरफ्तार कर लिया गया था। अर्थात इस आंदोलन को कोई योग्य नेतावक्ता नहीं था।

(15) आजादी के समय भारत व पाकिस्तान का बंटवारा भी हुआ। इस बंटवारे के कारण दिल्ली, पंजाब तथा बंगाल मे सांप्रदायिक दंगे हुए। इन दंगो को रोकने के लिए महात्मा गांधी ने 24 घंटे का उपवास भी रखा।

<u>निष्कर्ष</u>:- इन सब घटनाओ से हम यह कह सकते है कि स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण थी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न सं. 17.1 एवं 17.2 के लिए मानचित्र
Map for Q. No. 17.1 and 17.2

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)
Outline Map of India (Political)

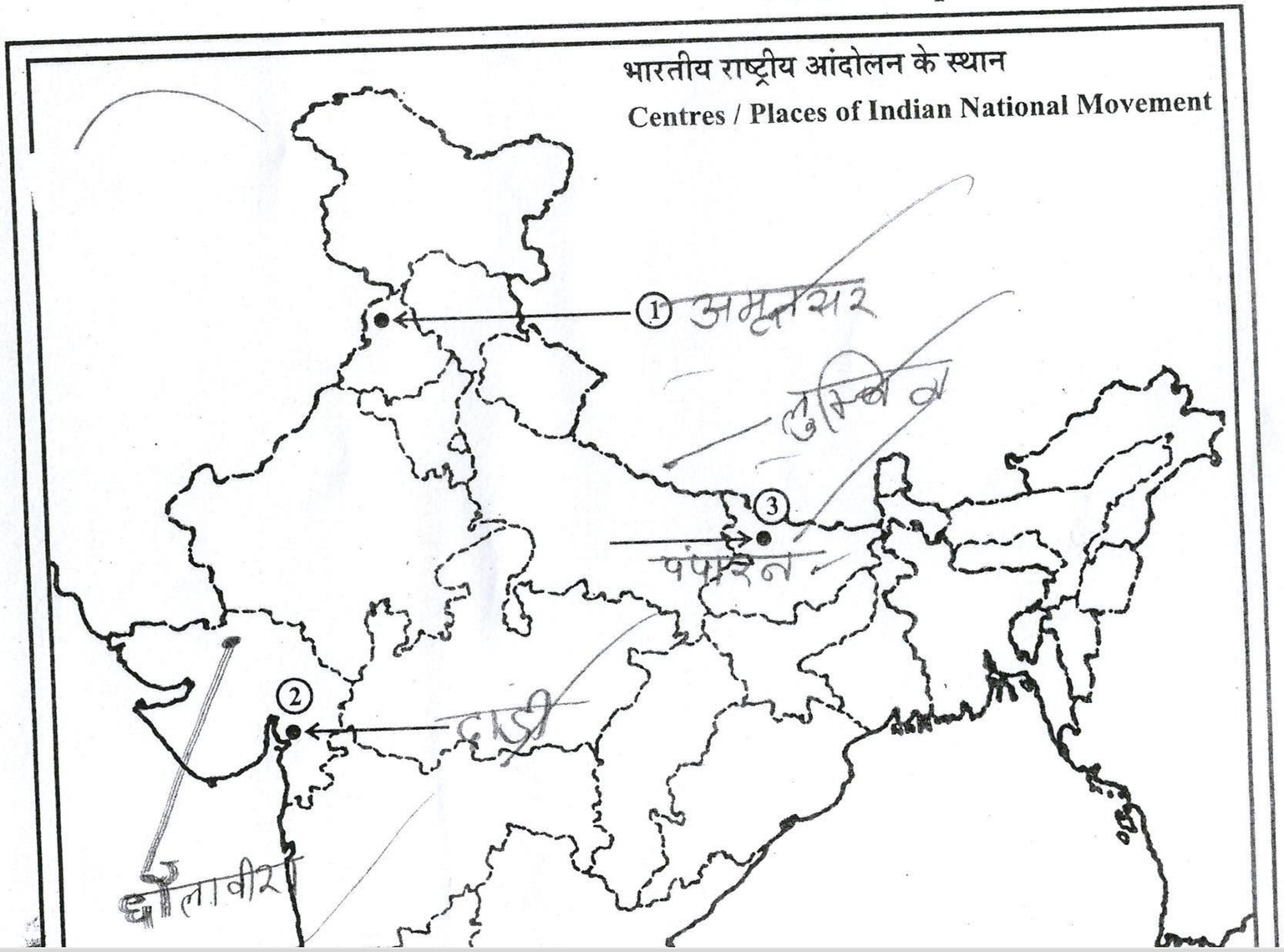

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Q-11 (11.1) ① शिक्षा :- महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा थी क्योंकि शिक्षा के माध्यम से स्त्रियों को सशक्त किया जा सकता है।

② कानून :- महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए हमें कानून में सुधार करने ~~की~~ चाहिए तथा उन कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू भी करना चाहिए।

③ जागरूकता :- महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति हमें जागरूक करना चाहिए ताकि महिलाएं अपने अधिकारों को जान सकें तथा सशक्त बन सकें।

(11.2) ① 19वीं सदी में औपनिवेशिक शहरों ने औरतों को रोजगार के नए अवसर प्रदान किए।

② अपने विचारों व्यक्त करने के लिए कई ~~माध्यमों~~ माध्यमों का भी उपयोग किया।

③ महिलाओं को आत्मनिर्भर भी बनाने में सहायता दी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in